

राष्ट्रीय सम्मेलन में लुवास के दो वैज्ञानिकों ने हासिल किए प्रथम पुरस्कार

पैगाम-ऐ-जगत
हिसार (दिनकर गावड़ी)
लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार के दो वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में आयोजित 13वें वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय सम्मेलन में लुवास के पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अमन तथा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रिचा ने अपने शोध कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए। इसके साथ ही डॉ. अमन को एसोसिएट फेलो, एसवीएसबीटी सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

सम्मेलन का मुख्य विषय जीनोमिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशु स्वास्थ्य, रोग निदान तथा सतत पशुधन उत्पादन में सुधार करना था। सम्मेलन में देश के विभिन्न वैज्ञानिकों ने पशु चिकित्सा विज्ञान, पशु प्रजनन, रोगों की पहचान और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान एवं नवाचारों पर विचार-विमर्श किया।

लुवास में ‘सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज’ के तहत प्रस्तुत किए गए नवाचार आधारित विचार

पैगाम-ऐ-जगत
हिसार (दिनकर गावड़ी)
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के विजन से प्रेरित 25 वर्षीय सेवा संकल्प के अंतर्गत लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार में ‘सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज’ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के वीएचआई कैंफ्रेंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं ने नवाचार आधारित विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विशेष सेमिनार, विशेषज्ञ व्याख्यान और प्रतिभागियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में छात्र कल्याण निदेशालय (डीएसडब्ल्यू) के कार्डसलिंग एवं सेलमेट सेल द्वारा इंस्टीट्यूशन इनोवेशन कारोसिल (आईआईसी) के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, उद्यमशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा उनके विचारों को समाजोपयोगी समाधानों में बदलने के लिए प्रेरित करना था।

चैलेंज में कुल 12 विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं-डॉ. सिमरन कौर, डॉ. नीलम, डॉ. वर्षा, डॉ. हितेश, डॉ. नितेश, डॉ. नीरज, डॉ. सिकंदर, डॉ. जसलीन कौर, डॉ. सविता, डॉ. अक्षत, शीतल और अंशुल ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इनका मूल्यांकन डॉ. अमन सिन्हा, प्रोफेसर, पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा डॉ. दीपिका, प्रोफेसर, पशु रोग विज्ञान विभाग ने नवीनता, व्यावहारिक उपयोगिता और संभावित प्रभाव के आधार पर किया। कार्यक्रम के दौरान



डॉ. अमन को शोध प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार एवं एसोसिएट फेलो सम्मान लुवास के पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अमन को सम्मेलन में एसोसिएट फेलो, एसवीएसबीटी सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने अपने शोध कार्य ‘गोवंशीय वीर्य में एक्स एवं वाई गुणसूत्र वाले शुक्राणुओं के अनुपात का अकलन करने के लिए नवीन टैकमैन प्रोब आधारित रियल-टाइम पीसीआर जांच का विकास एवं सत्यापन’ के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उनका शोध गोवंशीय वीर्य में एक्स एवं वाई गुणसूत्र वाले शुक्राणुओं के अनुपात का पता लगाने के लिए एक नवीन आणविक जांच विकसित करने तथा उसकी विश्वसनीयता का सत्यापन करने पर केंद्रित है। यह

को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकता है। लुवास के कुलपति प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने दोनों वैज्ञानिकों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित सम्मेलन में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रथम पुरस्कार प्राप्त करना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों का गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और नवीन तकनीकों के विकास के प्रति समर्पण पशु चिकित्सा विज्ञान, पशु प्रजनन तथा पशुधन विकास के क्षेत्र में प्रगति को गति प्रदान करता है। पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनीश यादव तथा पशुचिकित्सा एवं आईपीवीएस निदेशक डॉ. संजय यादव ने भी दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लुवास के वैज्ञानिकों की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, वैज्ञानिक नवाचार और नई तकनीकों के विकास के प्रति निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। दोनों वैज्ञानिकों को मिले प्रथम पुरस्कारों से पशु प्रजनन जैव प्रौद्योगिकी, आणविक निदान और प्रतिरक्षा विज्ञान के क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

प्रधानमंत्री के सेवा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के विजन को आगे बढ़ाने पर जोर; प्रतिभागियों को किया सम्मानित



प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के शाम के सत्र में लुवास के अनुसंधान निदेशक डॉ. रजत गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नवाचार का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह समाज की जरूरतों को पूरा करने और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक हो। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं से वैज्ञानिक सोच अपनाने और अपने ज्ञान एवं अनुसंधान का उपयोग किसानों की समस्याओं के समाधान, पशु स्वास्थ्य में सुधार तथा पशुपालन क्षेत्र को अधिक उन्नत बनाने के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल युवाओं को नए विचार विकसित करने और उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए प्रेरित करती हैं।

इस अवसर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के औषध विज्ञान विभाग के प्रो. मुनीश आहूजा ने ‘विचारों

से प्रभाव तक: किसानों, पशुओं और समाज की सेवा में विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उपकरण’ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आधुनिक उपकरणों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन तकनीकों से किसानों की समस्याओं का समाधान करने, पशु स्वास्थ्य एवं कल्याण में सुधार लाने तथा कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संदीप गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, विशेषज्ञ वक्ता, मूल्यांकनकर्ताओं, आयोजकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को नवाचार के माध्यम से समाज की सेवा करने और अपने ज्ञान को व्यावहारिक कार्यों में लागू करने के लिए प्रेरित करते हैं। मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशिका डॉ. सोनिया सिंधु ने भी इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं अनुसंधान को समाज की वास्तविक जरूरतों से जोड़ना समय की मांग है और नवाचार आधारित गतिविधियां इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम ने प्रधानमंत्री के सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के विजन, 25 वर्षों की सेवा संकल्प भावना तथा ‘सेवा प्रथम, नवाचार सर्वोपरि’ के संदेश को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को किसानों, पशुओं और समाज के कल्याण के लिए नए एवं प्रभावी समाधान विकसित करने हेतु प्रेरित किया।

नेस्ले इंडिया ने सभी प्रोडक्ट गुप्स में वॉल्यूम के आधार पर मजबूत वृद्धि दर्ज की

हरोली/ऊना (पैगाम-ऐ-जगत)
टाहलीवाल नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल ने आज वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी। नतीजों पर टिप्पणी करते हुए, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री मनीष तिवारी ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस तिमाही में सभी प्रोडक्ट गुप्स में मजबूत और व्यापक ग्रोथ का सिराखिला जारी रहा। कंपनी की कुल विक्री रुपये 6,782.2 करोड़ रही, जिसमें 20.5% की वृद्धि दर्ज की गई। इस वृद्धि को मजबूत, दोहरे अंकों वाली वॉल्यूम ग्रोथ का सहारा मिला। हमने अपने ब्रांड्स में निवेश को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के साथ-साथ अपने ऑपरेशंस में दक्षता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान विज्ञापन और मार्केटिंग पर खर्च में 46% की वृद्धि हुई। एबीटा मार्जिन 23.8% के स्वस्थ स्तर पर बना रहा। तिमाही में कंपनी का कर पश्चात लाभ (पैट) रुपये 1,026.8 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 36.3% अधिक है।

बढ़ती महंगाई, खासकर खाद्य महंगाई, एक वास्तविकता है। हम लगातार नए इन्वेंशन और मौजूदा प्रोडक्ट्स में सुधार, अपने ब्रांड्स में निरंतर निवेश तथा उत्पादकता और ऑपरेशनल एफिशिएंसी पर और अधिक ध्यान देकर इन बाहरी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे कमीडिट की बढ़ती लागत के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में असाधारण प्रतिबद्धता, मजबूती और काम की प्रभावी ढंग से पूरा करने पर निरंतर ध्यान बनाए रखने के लिए मैं अपनी टीमों का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।

नेस्ले इंडिया में खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता, उपभोक्ताओं के विश्वास की नींव हैं। मुझे अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करने वाले सहयोगियों की अटूट प्रतिबद्धता पर गर्व है। मैं



उन्हें सानंद और पोंडा फैक्ट्रियों के लिए सीआईआई फूड सेफ्टी एंड क्वालिटी अवॉर्ड्स तथा समालोचक फैक्ट्री के लिए नेस्ले ग्लोबल क्वालिटी अवॉर्ड प्राप्त करने पर बधाई देना चाहता हूँ। ये सम्मान हर दिन लाखों उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट्स पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हैं। कम्पैक्शनरी प्रोडक्ट गुप ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करते हुए वॉल्यूम के दम पर महंगे अंकों में ग्रोथ दर्ज की। इस वृद्धि को किट-कैट0 में लगातार बढ़ती मार्केट शेयर और महंगे व मिलकीबार0 की निरंतर बनी हुई मजबूत मांग से बल मिला।

पाउडर्ड और लिक्विड बेवरेजेज प्रोडक्ट गुप ने एक बार फिर वॉल्यूम के दम पर मजबूत ग्रोथ दर्ज की। इस प्रदर्शन को चरों तक निरंतर बढ़ती पहुंच, प्रोडक्ट्स की अधिक किफायती बनाने और काफी पोर्टफोलियो में लगातार प्रीमियमाइजेशन से बल मिला। नेस्केफे0 ब्रांड में हमारा निरंतर निवेश, कैटेगरी की पहुंच बढ़ाने और प्रीमियमाइजेशन को गति देने पर दोहरे फोकस के साथ, इस कैटेगरी की उपभोक्ताओं के बीच प्रासंगिकता को और मजबूत कर रहा है। तथा दीर्घकालिक विकास के हमारे लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है। नेस्पेसो0 ने ई-कॉमर्स और रिटेल चैनलों में अपनी मजबूत ग्रोथ की गति को

बरकरार रखा। इस वृद्धि को निरंतर प्रीमियमाइजेशन और गर्मियों के मौसम में आइसड कॉफी के माध्यम से उपभोक्ताओं के बीच ब्रांड की प्रासंगिकता बढ़ाने से बल मिला। प्रिपैकड डिशेज और कुकिंग एड्स प्रोडक्ट गुप ने मजबूत ग्रोथ दर्ज की। मैगी0 नूट्रल्स ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पहुंच बढ़ाकर विस्तार जारी रखा, जबकि मैगी0 मसाला-ए-मैजिक ने देशभर में क्षेत्रीय स्तर पर पसंद किए जाने वाले प्रमुख व्यंजनों में अपने उपयोग को बढ़ावा देकर अधिक से अधिक घरों तक पहुंच बनाने पर अपना फोकस बनाए रखा। मिलक प्रोडक्ट्स एंड न्यूट्रिशन प्रोडक्ट गुप ने ब्रांड बिल्डिंग और पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजेशन में किए गए निवेश के दम पर मजबूत और व्यापक ग्रोथ दर्ज की।

फैट फूड बिजनेस ने मजबूत दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की। इस प्रदर्शन को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ताओं के साथ बेहतर जुड़ाव और बाजार तक पहुंच बढ़ाने की प्रभावी रणनीति से बल मिला। हमने फेलिक्स0 ग्रेवी लवर, प्रोप्लान0 कैट और फ्रिस्कोज0 वेट कैट जैसे प्रोडक्ट्स के माध्यम से कैट फूड सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया। इसके तहत सामान्य और प्रीमियम, दोनों श्रेणियों में विज्ञान-आधारित पोषण समाधान उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया गया। नेस्ले की शोध और नवाचार क्षमताओं का लाभ उठते हुए, हम पालतू जानवरों की बदलती जरूरतों के अनुरूप उन्नत पोषण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेस्ले प्रोफेशनल ने अपनी मजबूत विकास गति को बरकरार रखते हुए वॉल्यूम के दम पर दोहरे अंकों में शानदार वृद्धि दर्ज की।

इस प्रदर्शन को प्रीमियम उत्पादों, ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप समाधान और घर से बाहर खाने-पीने के क्षेत्र में ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने वाले नए और उपयोगी विकल्पों से बल मिला।

विधायक जिम्मा ने भगवान वाल्मीकि जी की शोभायात्रा का किया भव्य स्वागत

पैगाम-ऐ-जगत
होशियारपुर (दलजीत अजनोहा)
हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग स्थानों से होते हुए भगवान वाल्मीकि जी की शोभायात्रा का होशियारपुर पहुंचने पर विधायक ब्रम शंकर जिम्मा को ओर से श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। सिटी सेंटर में

- **भगवान वाल्मीकि जी के पावन स्वरूप की पूजा-अर्चना कर जयघोष के बीच शोभायात्रा को अमृतसर के लिए किया रवाना**



आयोजित समागम के दौरान विधायक जिम्मा ने भगवान वाल्मीकि जी के पावन स्वरूप के समक्ष नतमस्तक होकर पूजा-अर्चना की तथा समस्त क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। विधायक ब्रम शंकर जिम्मा ने भगवान वाल्मीकि जी की शिक्षाओं को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में आपसी भाईचारे, समानता, सद्भाव और मानवता की भावना को मजबूत करने का

संदेश दिया। पूजा-अर्चना के उपरांत विधायक जिम्मा ने भगवान वाल्मीकि जी के जयकारों के बीच शोभायात्रा को भगवान वाल्मीकि तीर्थ, अमृतसर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। विधायक जिम्मा ने कहा कि भगवान वाल्मीकि जी का जीवन और उनकी शिक्षाएं समूची मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, सद्भाव और समानता को बढ़ावा दिया जा सकता है। भगवान वाल्मीकि जी का संदेश आज भी समाज

को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर मेयर प्रवीण सैनी, सीनियर डिप्टी मेयर सुरिंदर कुमार, सुदर्शन धीर, जसपाल सुमन, प्रमोद शर्मा, अजय वर्मा, भजन सिंह, सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान करनजोत आदिया, मनोज कैनेडी, बृज मट्टू, विक्रमजीत, बंटी, जय गोपाल, बलराम भट्टी, हीरा लाल, देव कुमार, लेख राज मट्टू, अमरजीत गिल, सनी लाहौरिया, कैलाश, प्रदीप, अमित गिल, आशु, सुभाषहंस, अशोक हंस, पवन, हरविलास, लक्की तेजी, विककी, शुभ, किरण कुमार भी मौजूद थे।

पीजीआईएमईआर में लेखा, वित्त एवं ऑडिट प्रक्रियाओं पर कार्यशाला आयोजित

चंडीगढ़, 16 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा आज ‘लेखा, वित्त एवं ऑडिट प्रक्रियाएं और बेहतर कार्यप्रणालियां’ विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के मार्गदर्शन में मनाए जा रहे तीन महीने के निवारक सतर्कता अभियान (17 अगस्त से 16 नवंबर, 2026) का हिस्सा थी। कार्यशाला के तकनीकी सत्र को पीजीआईएमईआर के वित्तीय सलाहकार श्री रविंदर सिंह, आईएएस ने संबोधित किया। उन्होंने सतर्कता के कामकाज से जुड़े लेखा, वित्त एवं ऑडिट प्रक्रियाओं के प्रमुख पहलुओं तथा बेहतर कार्यप्रणालियों की जानकारी दी।

प्रारंभिक संबोधन में पीजीआईएमईआर के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) प्रो. सुनील डोगरा ने संस्थान के नियमित कामकाज में निवारक सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है। पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया, निर्धारित नियमों का पालन, उचित अनुमति, सही रिकॉर्ड रखना और समय पर



खातों का मिलान संस्थागत जवाबदेही तथा जनविश्वास को मजबूत करने में मदद करते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निवारक सतर्कता का उद्देश्य सुशासन और जिम्मेदार निर्णय प्रक्रिया को बढ़ावा देना होना चाहिए, न कि वैध प्रशासनिक कार्यों को लेकर कर्मचारियों में आशंका पैदा करना। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर वित्तीय कार्यप्रणालियों, निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन, उचित दस्तावेजीकरण तथा सार्वजनिक धन के प्रबंधन में जवाबदेही के प्रति जागरूक करना था। पीजीआईएमईआर सेटैलाइट सेंटर, सॉफ्ट के कर्मचारियों ने भी ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला में लगभग 190 प्रतिभागियों ने

उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इनमें डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मचारी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल थे। यह भागीदारी संस्थान में सतर्कता जागरूकता, पारदर्शिता और आधिकारिक कार्यप्रणाली में ईमानदारी को बढ़ावा देने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह पहल नैतिक आचरण को बढ़ावा देने, संस्थागत प्रक्रियाओं को मजबूत करने और सार्वजनिक संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करने के प्रति पीजीआईएमईआर की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 17 अगस्त से 16 नवंबर, 2026 तक चल रहे इस अभियान का विषय ‘समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा’ है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2026 तक मनाया जाएगा।

हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट की हांसी जिला इकाई गठित, संदीप रामायण बने जिला अध्यक्ष

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हुई बैठक में पत्रकारों के हितों को लेकर किया विचार-विमर्श

पैगाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट ट्रेड रजिस्टर्ड की बैठक शनिवार को हांसी स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आरपी वशिष्ठ तथा प्रदेश प्रवक्ता एवं हिसार जिला अध्यक्ष बंसीलाल बासनीवाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में हरियाणा यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट ट्रेड रजिस्टर्ड की हांसी जिला इकाई का गठन किया गया। इसमें पत्रकार संदीप रामायण की संवेकसमिति से जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जिला कार्यकारिणी के गठन के तहत ललित भारद्वाज को जिला उपप्रधान, नवीन शर्मा को जिला सचिव, अनिल चौहान को कोषाध्यक्ष, नरेंद्र शर्मा को सह जिला सचिव तथा अंकित मलिक को प्रेस सचिव नियुक्त किया गया। इसके अलावा केशव धमोजा, अनुराग सिंह, नरेश उमरा, कुणाल भाजरा, जसवीर जसो और महेंद्र शर्मा को जिला इकाई में सलाहकार की जिम्मेदारी दी गई। वहीं, दिनकर गावड़ी और



जीतेश सचदेवा को यूनियन का सदस्य बनाया गया। बैठक में पत्रकारों की एकजुटता, संगठन की मजबूती और पत्रकारों के हितों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। यूनियन पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा पत्रकारों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संदीप रामायण ने संगठन की ओर से सौंपी गई जिम्मेदारी के लिए प्रवेश नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और संगठन को मजबूत

बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि हांसी जिला इकाई पत्रकारों के बीच आपसी तालमेल और एकजुटता बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगी। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि नई टीम पत्रकारों के हितों के लिए सक्रियता से काम करेगी। नव नियुक्त जिला अध्यक्ष संदीप रामायण ने कहा कि हांसी जिला इकाई का विस्तार करते हुए जल्द ही नारनौद के पत्रकारों को भी जिला इकाई में शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के राखीगढ़ी दौरे से पहले हांसी पुलिस ने की सुरक्षा ड्यूटियों की रिहर्सल, एसपी विनोद कुमार ने परखी तैयारियां

पैगाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)
हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राखीगढ़ी स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल के प्रस्तावित दौरे को लेकर हांसी पुलिस पूरी तरह सतर्क है। दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने और सभी ड्यूटियों को



हेलीपैड से लेकर पार्किंग और रूट प्लान तक सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण, पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रभावी ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से हांसी पुलिस द्वारा सुरक्षा ड्यूटियों की रिहर्सल की गई। पुलिस अधीक्षक हांसी विनोद कुमार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रिहर्सल के दौरान मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए पुलिस ड्यूटियों, यातायात प्रबंधन, वाहनों की पार्किंग,

महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था सुचारू रखी जाए, निर्धारित रूट प्लान को प्रभावी ढंग से पालन करवाया जाए तथा पार्किंग व्यवस्था इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस अधीक्षक ने हेलीपैड एवं कार्यक्रम स्थल से संबंधित व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए, कि सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक पहलू को बारीकी से जांच सुनिश्चित

करें। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाए, निर्धारित रूट प्लान का जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसपी विनोद कुमार ने राखीगढ़ी के ऐतिहासिक किले का भी दौरा किया और प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। हांसी पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

जालंधर में 14 से 22 नवंबर 2026 तक अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन

पैगाम-ऐ-जगत
जालंधर (दलजीत अजनोहा)
अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में योग्य युवाओं को भर्ती के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 14 नवंबर से 22 नवंबर 2026 तक राजकीय कला एवं खेल महाविद्यालय, जालंधर में किया जाएगा। इस भर्ती रैली में 6,000 से अधिक अभ्यर्थी भाग लेंगे, जिन्होंने तर्नतारन, कपूरथला, जालंधर, होशियारपुर और शहीद भगत सिंह नगर (एसबीएस नगर) जिलों से सामान्य प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है।
इस भर्ती रैली में पंजाब, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख राज्यों की पात्र महिला अभ्यर्थियों को भर्ती भी की जाएगी, जिससे युवा महिलाओं को भारतीय सेना में अपना करियर बनाने और गर्व एवं सम्पर्ण के साथ राष्ट्र की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता और उपयुक्तता का आकलन करने के लिए विभिन्न परीक्षण एवं मूल्यांकन किए जाएंगे। इनमें 1.6 किलोमीटर दौड़, जिसके माध्यम से अभ्यर्थियों की सहनशक्ति एवं शारीरिक क्षमता का परीक्षण किया जाएगा, बीम परीक्षण, जिसके अंतर्गत ऊपरी शरीर की मांसपेशियों की ताकत का आकलन किया जाएगा, तथा शारीरिक मापदंडों के अंतर्गत निर्धारित लंबाई, वजन एवं अन्य शारीरिक मानकों की जांच शामिल होगी। शारीरिक दक्षता परीक्षण में सफल अभ्यर्थियों का चिकित्सा परीक्षण किया जाएगा, ताकि भारतीय सेना में



भर्ती के लिए उनकी चिकित्सकीय योग्यता सुनिश्चित की जा सके।
भर्ती प्रक्रिया निर्धारित भर्ती नीतियों एवं पात्रता मानदंडों के अनुरूप निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक भर्ती अधिसूचनाओं का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें, निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना सुनिश्चित करें तथा भर्ती रैली में भाग लेने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आएँ। अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे दलालों एवं ऐसे असामाजिक तत्वों से सावधान रहें, जो पैसे लेकर भर्ती या चयन का झूठा आश्वासन दे सकते हैं। भारतीय सेना में भर्ती पूरी तरह योग्यता एवं निर्धारित चयन मानदंडों के

आधार पर की जाती है। कोई भी व्यक्ति या एजेंट भर्ती में चयन की गारंटी नहीं दे सकता। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे भर्ती में सहायता या चयन का आश्वासन देने वाले किसी भी व्यक्ति को पैसे न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या पैसें की मांग की सूचना तत्काल भर्ती अधिकारियों को दें। भारतीय सेना सभी पात्र युवाओं, विशेषकर महिला अभ्यर्थियों, को इस अवसर का लाभ उठाने तथा गर्व, सम्मान एवं सम्पर्ण के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए बड़ी संख्या में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करती है।
उम्मीदवार रैली की दस्तावेजीकरण प्रक्रिया के दौरान आवश्यक विभिन्न दस्तावेजों से संबंधित जानकारी के लिए नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं।

बाल कल्याण, बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्यरत संस्थाएं 20 अक्टूबर तक करवाएं ऑनलाइन पंजीकरण

साहिबजादा अजीत सिंह नगर
17 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)
पंजाब सरकार के सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे पंजाब एनजीओ डिजिटाइजेशन मिशन के तहत विद्यार्थियों को सामाजिक इंटरनशिप और स्वयंसेवा से जोड़ने के उद्देश्य से बाल कल्याण, बुजुर्गों के कल्याण, महिला कल्याण और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्यरत इच्छुक गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) से 20 अक्टूबर, 2026 तक अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवाने की अपील की गई है।
इस संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर साहिबजादा अजीत सिंह नगर श्रीमती कोमल मित्तल ने बताया कि पात्र संस्थाएं पंजीकरण के लिए वेबसाइट www.cityneeds.info पर जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थाएं सीधे पंजीकरण फॉर्म

- **पंजाब एनजीओ डिजिटाइजेशन मिशन के तहत विद्यार्थियों को सामाजिक इंटरनशिप और स्वयंसेवा से जोड़ने की पहल**

<https://tinyurl.com/RegisterPNDM> के माध्यम से भी अपना आवेदन जमा करवा सकते हैं। पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की कठिनाई आने पर संस्थाएं *मोबाइल नंबर 7347343585* पर संपर्क कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें समाज कल्याण के कार्यों से जोड़ना है। इस मिशन के माध्यम से विद्यार्थियों को बाल कल्याण, बुजुर्गों की देखभाल, महिला सशक्तिकरण और दिव्यांगजनों के कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के साथ जोड़कर सामाजिक इंटरनशिप और स्वयंसेवा के अवसर प्रदान करने का प्रयास

किया जा रहा है।
इसके साथ ही, डिजिटल मंच के माध्यम से समाज कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं की जानकारी डिजिटल रूप में उपलब्ध करवाना, उनकी कार्यक्षमता बढ़ाना और उनके कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने में सहयोग देना भी इस मिशन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। डिप्टी कमिश्नर ने समाज कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत सभी पात्र गैर-सरकारी संगठनों से अपील की कि वे *20 अक्टूबर, 2026* तक अपना ऑनलाइन पंजीकरण अवश्य करवाएं और पंजाब एनजीओ डिजिटाइजेशन मिशन से जुड़े। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक संस्थाओं की भागीदारी से विद्यार्थियों को सामाजिक इंटरनशिप और स्वयंसेवा के अवसर उपलब्ध करवाने के साथ-साथ बाल कल्याण, बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी और मजबूत बनाया जा सकेगा।

हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के पंजाबव्यापी ट्रॉफी टूर को कल (रविवार) मोहाली से दिखाई जाएगी हरी झंडी

साहिबजादा अजीत सिंह नगर
17 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)
पंजाब में जालंधर और साहिबजादा अजीत सिंह नगर में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय हीरो पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के प्रचार और लोगों को इस प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे ट्रॉफी टूर की शुरुआत कल (रविवार), 18 अक्टूबर को सुबह 10 बजे, साहिबजादा अजीत सिंह नगर के ओलंपियन बलवीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, फेज-10, सेक्टर-64, मोहाली से होगा। इस अवसर पर *अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों* द्वारा ट्रॉफी को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर अगले पड़ाव के लिए रवाना किया जाएगा।
जिला खेल अधिकारी उमेश्वरी शर्मा ने बताया कि निदेशक, खेल, पंजाब के दिशा-

- **ओलंपियन बलवीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम से अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों की मौजूदगी में रवाना होगी ट्रॉफी**
- **ट्रॉफी रवाना होने से पहले होगा हॉकी का प्रदर्शनी मैच; खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध**

निर्देशनों के अनुसार आयोजित किए जा रहे इस ट्रॉफी टूर का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता पैदा करना तथा युवाओं सहित आम लोगों में हॉकी के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ाना है। जिला खेल कार्यालय द्वारा ट्रॉफी के प्रस्थान समारोह और इससे संबंधित गतिविधियों के लिए आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। इस दौरान हॉकी खिलाड़ियों की भागीदारी से एक प्रदर्शनी मैच करवाया

जाएगा। इसके साथ ही लोगों को ट्रॉफी के साथ यादगार तस्वीरें खिंचवाने का अवसर देने के लिए सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित किया जाएगा। समारोह को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है।
ट्रॉफी टूर के दौरान विभिन्न जिलों में स्वागत समारोह और प्रचार गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। साहिबजादा अजीत सिंह नगर से रवाना होने के बाद ट्रॉफी फतेहगढ़ साहिब होते हुए पटियाला पहुंचेगी। इसके बाद यह राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा करेगी।
जिला प्रशासन ने खेल प्रेमियों, हॉकी खिलाड़ियों और युवाओं से इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है, ताकि पंजाब में आयोजित होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके।

सीबीआई रेड के बाद रणजीत मिश्रा का बड़ा दावा

1000 करोड़ के कथित घोटाले की जांच में कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका खंगालने की मांग

पैगाम-ऐ-जगत
चंडीगढ़ (हरमिंदर सिंह नागपाल)
चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम में आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती, तैनाती और वेतन भुगतान से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सीबीआई की छापेमारी के बाद एजुकेशन डिपार्टमेंट ग्रुप-डी यूनियन और यूटी चंडीगढ़

- **आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती और वेतन भुगतान में गड़बड़ी का आरोप, एक ही परिवार से जुड़े चार कंपनियां जांच के घेरे में, 200 करोड़ रुपये सालाना के टेंडरों पर उठाए साला**

सबऑर्डिनेट सर्विस फेडरेशन के प्रधान एवं शिकायतकर्ता रणजीत मिश्रा ने चंडीगढ़ प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले से जुड़े कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच में बड़े खुलासे होने की उम्मीद जताई और कहा कि जांच का दायरा केवल कंपनियों तक सीमित न रहकर प्रशासन के उच्च अधिकारियों तक भी पहुंचना चाहिए।
मिश्रा ने दावा किया कि एक ही परिवार से जुड़ी चार कंपनियां इस पूरे मामले की जड़ हैं। उनके अनुसार, आउटसोर्स कर्मचारियों की तैनाती से जुड़े करीब 200 करोड़ रुपये सालाना के टेंडरों में कथित गड़बड़ियों की आशंका है। उन्होंने जांच एजेंसियों से टेंडर प्रक्रिया, अनुभव प्रमाणपत्रों, कर्मचारियों की तैनाती और वेतन भुगतान से संबंधित रिकॉर्ड की गहन जांच करने की मांग की।
चार कंपनियों के नेटवर्क पर सवाल, अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग
मिश्रा ने आरोप लगाया कि चार कंपनियों के



आपसी संबंधों और टेंडर हासिल करने के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों की पड़ताल से मामले की कई महत्वपूर्ण कड़ियां सामने आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि कथित अनियमितताओं में सरकारी तंत्र के विभिन्न स्तरों पर तैनात वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने संकेत दिया कि मामले से जुड़े दस्तावेजों और उपलब्ध सबूतों के आधार पर कई अधिकारियों की भूमिका को लेकर सवाल उठाए जा सकते हैं। मिश्रा ने मांग की कि यदि जांच के दौरान किसी अधिकारी या अन्य व्यक्ति की संलिप्तता के प्रमाण मिलते हैं, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सीबीआई की छापेमारी के बाद जांच में तेजी की उम्मीद
मामले में सीबीआई द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने और चंडीगढ़ में चार ठिकानों पर छापेमारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। जांच के दौरान दस्तावेजों की पड़ताल के साथ लैपटॉप और कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जाने की भी जानकारी है। अब इन उपकरणों में मौजूद डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच से टेंडर प्रक्रिया तथा संबंधित कंपनियों की भूमिका के बारे में तथ्य सामने आने की उम्मीद है।

मिश्रा ने करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित

वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग करते हुए उम्मीद जताई कि सीबीआई की पड़ताल से मामले की पूरी तस्वीर सामने आएगी। हालांकि, करीब 200 करोड़ रुपये सालाना के टेंडरों और 1000 करोड़ रुपये की कथित अनियमितताओं के बीच संबंध तथा कुल राशि को स्वतंत्र पुष्टि अभी आवश्यक है।

मार्च से शिकायत लंबित रहने का भी दावा मिश्रा ने दावा किया कि उन्होंने इस मामले को लेकर मार्च महीने से विजिलेंस के समक्ष शिकायत दी थी, लेकिन उस पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बाद में शिकायत दिए जाने के बाद जांच एजेंसियों की कार्रवाई शुरू होने की बात भी कही। इस दावे और शिकायत पर हुई कार्रवाई की स्थिति की संबंधित रिकॉर्ड से पुष्टि की जानी बाकी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिश्रा ने मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि जांच में किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

फिलहाल, कंपनियों और अधिकारियों की कथित संलिप्तता से जुड़े आरोपों के अधीन हैं। किसी व्यक्ति या कंपनी की जिम्मेदारी जांच के निष्कर्षों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही निर्धारित होगी।

दो वर्षों में 46,500 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गईं; महिला सशक्तिकरण और खेलों को बढ़ावा मिला : मुख्यमंत्री नायब सैनी

चंडीगढ़, 17 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि युवाओं को रोजगार देना, खिलाड़ियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सरकारी भर्तियों, कौशल

- **लाड़ लक्ष्मी योजना' के तहत 10 लाख से अधिक महिलाओं को आर्थिक सहायता दी गई, 2,000 खेल नर्सरियों के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर मिले**

विकास, खेलों को बढ़ावा देने और महिलाओं के कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने 46,500 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं, जो पूरी तरह से रिवतखोरी और राजनीतिक पक्षपात (पच्ची-खच्ची) से मुक्त हैं। सविदा कर्मचारियों, तकनीकी शिक्षा में गेस्ट फैकल्टी, और कॉलेजों में एक्सटेंशन लेक्चरर व गेस्ट प्रोफेसर्स को नौकरी की सुरक्षा (जॉब सिक्योरिटी) प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि 'कॉमन कैंडर ग्रुप-डी' के उन कर्मचारियों के लिए, जिन्होंने 5 साल से अधिक की सेवा पूरी कर ली है, क्लर्क के पद पर पदोन्नति (प्रमोशन) के लिए आरक्षित कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। जुलाई 2025 में, सरकार ने सफलतापूर्वक CET-C परीक्षा



आयोजित की, जिसमें 13.48 लाख उम्मीदवारों ने भाग लिया। राज्य के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों के अनुरूप, सरकार ने उम्मीदवारों के परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्रा खर्च का वहन किया। इसके अलावा, सरकार ग्रुप-डी पदों के लिए फिर से CET आयोजित करने जा रही है; इसके लिए 15.09 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि राज्य में 885 जॉब फेयर और प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए गए हैं। इनके माध्यम से 11,162 युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार मिला है। 'सक्षम युवा योजना' के तहत, 2.75 लाख युवाओं को बेरोजगारी भत्ते और मानदेय के रूप में 657.27 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

उन्होंने बताया कि युवाओं को आधुनिक कौशल सिखाने के लिए गुरुग्राम और फरीदाबाद में 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' (उत्कृष्टता केंद्र) स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, करनाल, पानीपत और पंचकूला में तीन जिला कौशल केंद्र खोले गए हैं। सरकार ने पुलिस कॉन्स्टेबल, माइनिंग गार्ड, जेल वार्ड, फॉरेस्ट गार्ड, IRB और SDRF कॉन्स्टेबल, फायर ऑपरेटर-कम-ड्राइवर और वाइल्डलाइफ गार्ड जैसे कुछ पदों पर सीधी भर्ती में 'अग्निवीरों' के लिए 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण (हॉरिजॉन्टल रिजर्वेशन) देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की 'अग्निवीर' नीति के तहत, पूर्व

अग्निवीरों को ग्रुप-सी पदों पर सीधी भर्ती के लिए सभी तरह की परीक्षाओं से छूट दी गई है। पिछले दो वर्षों में, सरकार ने पदक जीतने वाले 1,319 खिलाड़ियों को कुल 147.16 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार दिए हैं। इसके साथ ही, 42 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां भी दी गई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में, सरकार ने राज्य भर के 17,544 खिलाड़ियों को 742 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार बांटे हैं। आवासीय खेल अकादमियों में खिलाड़ियों के खान-पान के लिए मिलने वाले दैनिक भत्ते को 400 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। खेल सुविधाओं की गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए, राज्य में 2,000 'स्पॉर्ट्स नर्सरी' स्थापित की गई हैं। इसके अलावा, ग्रामीण इलाकों में 421 इनडोर जिम खोले गए हैं। खेल बुनियादी ढांचे (स्पॉर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर) के विकास पर कुल 321 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि हाल ही में जापान में संपन्न हुए एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते हैं। इन पदकों में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। इन पदकों में से 32 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते, जिनमें 14 स्वर्ण, 9 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इसी तरह, 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक र्लासगो में आयोजित 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में, हरियाणा के खिलाड़ियों ने 11 पदक हासिल किए-जिनमें 7 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल थे।

सीएचसी बीनेवाल में रोरोटरी आई बैंक एंड कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी द्वारा मुफ्त नेत्र जांच शिविर

पैगाम-ऐ-जगत
होशियारपुर/दलजीत अजनोहा
रोटरी आई बैंक एंड कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी होशियारपुर की ओर से सिविल सर्जन डॉ. मनदीप कमल के निदेशों पर सीएचसी झुगियां-बीनेवाल में मुफ्त नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. परविंद कौर एमएस (आईज) ने 340 मरीजों की आंखों की जांच की। सभी मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं।

- **340 मरीजों की जांच 220 मरीजों को मुफ्त चश्मे दिए, 77 की आंखों के ऑपरेशन होंगे; सात मरीजों में कॉर्निया संबंधी बीमारी की पहचान**



शिविर का उद्घाटन डॉ. परविंद कौर और सीएचसी बीनेवाल के एसएमओ डॉ. निर्मल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर सोसाइटी के चेयरमैन जेबी बहल ने दोनों चिकित्सकों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया 220 मरीजों को मुफ्त चश्मे, 77 के ऑपरेशन निर्धारितनेत्र जांच के दौरान 220 मरीजों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई, जिन्हें सोसाइटी की ओर से मुफ्त चश्मे दिए गए। वहीं, 77 मरीजों की आंखों के विभिन्न प्रकार के ऑपरेशन जरूरी पाए गए।

इन सभी मरीजों को ऑपरेशन के लिए तारीखें भी निर्धारित कर दी गई हैं। इसके अतिरिक्त सात मरीजों में कॉर्निया संबंधी समस्याओं की पहचान हुई। सोसाइटी के सहयोग और सिविल सर्जन होशियारपुर के

मरीजों की भी सहायता करती है। उन्होंने बताया कि इस बार अफगानिस्तान के 16 और 20 वर्ष के दो युवकों ने सोसाइटी से संपर्क किया है। दोनों कॉर्निया संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं और आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं।

सोसाइटी की ओर से उनके हवाई टिकटों की व्यवस्था करने के साथ जालंधर में मुफ्त ऑपरेशन करवाने में सहायता की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि बीनेवाल शिविर में कॉर्निया संबंधी समस्या से पीड़ित मरीजों को कॉर्निया उपलब्ध होने पर मुफ्त प्रत्यारोपण की सुविधा प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने निभाई अहम भूमिकाशिविर के आयोजन में एसएमओ डॉ. निर्मल कुमार और

सीएचसी बीनेवाल के समस्त स्टाफ ने सहयोग दिया। इस अवसर पर डॉ. संदीप सिंह, डॉ. गुरताप सिंह, डॉ. तनवीर सिंह, डॉ. पल्लवी, नम्रता, प्रीति, बीना सोनी, राजवीर कौर, सुनीता रानी, राज रानी, मनदीप कौर, राज कुमार, सुखजिंदर सिंह, परमजीत सिंह, मुकेश कुमार, विनय कुमार, विजय कुमार, रविंदर कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, रोशन लाल, बलजीत सिंह और जसविंदर कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर के आयोजकों में जेबी बहल, जसवीर कंवर, जीएस बावा, सुमन नैयर, अशोक जैन, प्रोफेसर दलजीत सिंह, प्रिंसिपल बिक्कर सिंह, अजायब सिंह बोपाराय, ऑंकार सिंह चाहलपुरी, डॉ. तरसेम सिंह, रमनदीप सिंह, राजन मल्लण, डॉ. लखविंदर कुमार, रविंदर बिंदु भूबलां, कृष्ण किशोर, नरेश भूबलां और राम जी दास चौहान विशेष रूप से मौजूद रहे।

शिविर में पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह राठी, पूर्व विधायक लव कुमार गोल्डी, सरपंच संजय पिपलीवाल, सरपंच बलविंदर सिंह बोपाराय, सरपंच गडगंध सिंह, आम आदमी पार्टी के गडगंधर संगठन ईंचाज चरणजीत सिंह चन्नी और जगदेव सिंह गढ़ीमासेवाल भी पहुंचे।

श्री राम वनवास का मंचन देव श्रद्धालुओं ने अश्रुधारा से दी भगवान को विदाई

पैगाम-ऐ-जगत
होशियारपुर (दलजीत अजनोहा)
श्री राम लीला कमेटी की तरफ से प्रधान गोपी चंद कपूर की अगुवाई में करवाए जा रहे दशहरा महोत्सव के दौरान श्री राम लीला में श्री राम वनवास यात्रा का मंचन किया गया तथा दिखाया गया कि वनवास के दौरान भगवान अपने भक्तों पर किस प्रकार कृपा करते हुए आगे बढ़ते हैं। श्री राम लीला मंचन में दिखाया गया कि किस प्रकार वन में एक दिन माता सीता, राम जी तथा लक्ष्मण भ्रमण कर रहे थे तो रावण की बहन शुर्पनखा ने भगवान राम व लक्ष्मण को देखा तो उसने उन्हें क्षति पहुंचाने की बात सोची। जिस पर उसने रूप धारण किया और सुन्दर नारी वनकर श्री राम के समक्ष करवा उन्हें विवाह का प्रस्ताव देती है। जिस पर श्री राम उसे अस्वीकार कर देते हैं। इसके बाद वह लक्ष्मण जी से विवाह की बात कहती है तो वह भी इंकार कर देते हैं।



इसके बाद क्रोध में आई शुर्पनखा उन्हें हांनि पहुंचाने की बात करती है तो लक्ष्मण जी उसकी नाक काट देते हैं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुन्दर शमो अरोड़ा, चेयरमैन शिव सुंद, महासचिव प्रदीप हांडा, संजीव ऐरी, राकेश सूरि, हरीश आनंद, कमल वर्मा, तरसेम मोदगिल, रजिंदर

मोदगिल, पंडित नरोत्तम शर्मा, अजय जैन, कुनाल चतुर्थ, सुशील पंडियाल, राकेश डोगरा, दर्विंदर नाथ बिंदा, वरुण कैथ, कपिल हांडा, मनोज दाता, कृष्ण गोपाल मोदगिल, छोटा अश्विनी, पवन शर्मा, दिवाकर कपिला, अमित गुप्ता आदि मौजूद थे।

उपायुक्त कोमल मित्तल की किसानों से अपील-मंडियों में सूखा धान लाएं, पराली जलाने से करें परहेज

साहिबजादा अजीत सिंह नगर, 17 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)
उपायुक्त श्रीमती कोमल मित्तल ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे मंडियों में सूखा और पूरी तरह पका हुआ धान ही लेकर आएँ, ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने किसानों से फसल अवशेषों को आग न लगाने तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए पराली के उचित प्रबंधन के तरीके अपनाने की भी अपील की। जिले में धान खरीद प्रबंधों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि अब तक जिले की मंडियों में 1,11,788 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है, जिसमें से 1,11,262 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, अब तक 61,018 मीट्रिक टन धान का उठान भी किया जा

- **जिले की मंडियों में 1,11,788 मीट्रिक टन धान की आवक, 1,11,262 मीट्रिक टन की खरीद**
- **अब तक 61,018 मीट्रिक टन धान का उठान; जिले में धान की अनुमानित आवक 2,06,148 मीट्रिक टन रहने की उम्मीद**

चुका है। चालू खरीद सीजन के दौरान जिले में धान की कुल अनुमानित आवक 2,06,148 मीट्रिक टन रहने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि मंडियों में सूखा और पूरी तरह पका हुआ धान लाने से खरीद प्रक्रिया में तेजी आती है तथा धान की खरीद और उठान समय पर सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। उन्होंने संबंधित खरीद एजेंसियों और अधिकारियों को आपसी तालमेल बनाए रखने तथा किसानों को मंडियों में आवश्यक सुविधाएं

उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। पराली जलाने के दुष्प्रभावों के बारे में उपायुक्त ने कहा कि फसल अवशेषों को आग लगाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और मिट्टी की उर्वरता भी कम होती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पराली प्रबंधन के लिए उपलब्ध मशीनरी और वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करें तथा स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने में अपना योगदान दें।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन किसानों की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है और मंडियों में धान की निबंध खरीद तथा समय पर उठान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से खरीद प्रक्रिया में सहयोग देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की।